राहुल गांधी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हॉस्टल का किया दौरा, खाना खाया, छात्रों से की बातचीत

पटना ।कांग्रेस दर्पण

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार (5 मई) को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस के पोस्ट ग्रेजुएट मेन्स हॉस्टल का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने छात्रों से बातचीत की. सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं और उनके करियर प्लान के बारे में जाना. राहुल ट्रिम दाढ़ी, व्हाइट टीशर्ट और ट्राउजर वाले गेटअप में हॉस्टल पहुंचे थे. गौरतलब है कि अमेरिका जाने से पहले राहुल गांधी ने भी एक साल के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस कॉलेज में पढ़ाई की थी. अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल गांधी ने छात्रों के साथ दोपहर का भोजन भी किया. वह दोपहर दो बजे के बाद कैंपस पहुंचे थे और वहां करीब एक घंटा बिताया. पिछले महीने राहुल ने दिल्ली के मुखर्जी नगर में संघ लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों से बातचीत की थी. मुखर्जी नगर में राहुल को छात्रों के साथ सड़क किनारे कुर्सी पर बैठे देखा गया था. उस वक्त भी उन्होंने छात्रों से उनकी उम्मीदों और अनुभवों के बारे में पूछा था. राहुल गांधी के साथ मुलाकात करने वाले फैकल्टी ऑफ आर्ट्स से पीएचडी प्रथम वर्ष के छात्र देवेश कुमार ने कहा, "राहुल गांधी हमारे हॉस्ट आए और हमारे साथ लंच किया. हमने रोजगार और बेरोजगारी के मुद्दों के साथ–साथ उन मुद्दों पर भी चर्चा की जिनका सामना हम यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के भीतर कर रहे हैं." हाल में रमजान के दौरान राहुल ने जामा मस्जिद के पास बंगाली बाजार का भी दौरा किया था और लोगों से बातचीत की थी. बता दें इसी साल 23 मार्च को गुजरात के सूरत कोर्ट ने मानहानि मामले में राहुल गांधी को दो वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई थी, जिसके चलते उनकी लोकसभा सदस्यता चली गई थी. सजा को चुनौती देने के लिए उन्होंने ऊपरी अदालत का रुख किया. वहीं, 10 मई को कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन्हें राज्य में कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान में काफी सक्रिय देखा गया. सोशल मीडिया के जरिये वह जंतर–मंतर पर धरना दे रहे पहलनों के समर्थन में भी खासे एक्टिव हैं.

महिला उद्पीड़न और यौन शौषण के विरोध में देश के पहलवानों के समर्थन में कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं के साथ जंतर मंतर, दिल्ली पहुंच कर उनको आशावस्त कराया कि कांग्रेस सेवादल उनके मुहिम के साथ खड़ा है!

कर्नाटक मे बिहार के लोगो से मिला और कांग्रेस को वोट करने की अपील की। जहाँ–जहाँ जा रहा सबका यही कहना है कांग्रेस भारी मतों से जीत रही है । - अखिलेश प्रसाद सिंह

जातीय जनगणना पर बीजेपी कर रही पाखंड, दिखा रही दोहरा चरित्र : डॉ0 संजय यादव

पटना । कांग्रेस दर्पण

पटना हाईकोर्ट द्वारा जातीय जनगणना पर रोक लगाने के अंतरिम आदेश के बाद बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया पर बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय कुमार ने कहा कि भाजपा का पाखंड उजागर हो गया है। माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश पर जिस तरह से हर्ष मिश्रित प्रतिक्रियायें भाजपा नेताओं द्वारा व्यक्त की गई हैं उसने बीजेपी के दोहरे चरित्र को जनता के सामने ले आया है। बीजेपी की केंद्र सरकार तो खुले तौर पर जातीय जनगणना के विरोध में है। भाजपा हमेशा से सामाजिक न्याय के विरोध में रही है, धर्म के नाम पर लोगों को बाँटने की राजनीति करने वाली भाजपा पिछडे और दलित वर्गों के सशक्तिकरण के खिलाफ है। वोट के लिये धर्म का कार्ड खेलने वाली भाजपा का जातीय जनगणना के विरोध का असली रूप सामने आ है। जिसका

खामियाजा अगले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जनता द्वारा नकारे जा कर मिलेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण के महामंत्री पद पर श्री विष्णु प्रसाद शुक्ला जी एवं जिला शहर कांग्रेस कमेटी रीवा के सचिव पद पर श्रीमती नेहा सिंह चौहान जी श्री राम राज मिश्रा को जिला कार्यकारी सदस्य की नियुक्ति की गई है नियुक्ति प्रमाण पत्र जिला कांग्रेस कार्यालय रीवा में सौंपते हुए जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण के अध्यक्ष इंजी.राजेंद्र शर्मा जी,जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री लखन खण्डेलवाल जी,जिला संगठन मंत्री एड.रवि तिवारी जी, शहर संगठन मंत्री श्री सज्जन पटेल जी, जिला कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र सिंह जी, एवं वरिष्ठ कांग्रेस जन उपस्थित रहे...

ओंकारेश्वर शुक्ला जिलाध्यक्ष कार्यकारी

आईटी सेल एवं सोशल मीडिया विभाग रीवा

कांग्रेस के 'संकटमोचक' डीके शिवकुमार जो पूर्व पीएम से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री तक को चुनाव में हराया है

इंजीनियर मोहिउद्दीन खान । कांग्रेस दर्पण

कर्नाटक चुनाव में लिंगायत के बाद अगर किसी समुदाय की सबसे ज्यादा चर्जा होती है तो वो वोक्कालिगा समाज है. राज्य में 11 फीसदी के करीब वोक्कालिगा वोटर कई सीटों पर जीत–हार तय कर जाता है. अब कांग्रेस के पास इस समुदाय को लुभाने के लिए एक बड़ा कद्दावर नेता है, नाम है डीके शिवकुमार.कर्नाटका कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार

1400 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति रखने वाले शिवकुमार कांग्रेस के लिए कर्नाटक में काफी मायने रखते हैं. उन्हें संकटमोचक के तौर पर भी जाना जाता है, उनकी सियासत ऐसी रही है जहां पर समीकरणों के साथ–साथ मसल पॉवर का भी पूरा इस्तेमाल देखने को मिला है. डीके शिवकुमार कांग्रेस की तरफ से भी पिछले कई सालों से कनकपुरा सीट से ताल ठोंक रहे हैं. बड़ी बात ये है कि उनका जीत का मार्जिन भी काफी ज्यादा रहा है, एक तरह से इस सीट पर उन्होंने अपना पूरा दबदबा कायम रखा हुआ है. एक बार फिर पार्टी ने डीके शिवकुमार को इसी सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है. सबसे पहले साल 2008 में शिवकुमार रामनगरम जिले के कनकपुरा विधानसभा सीट से विधायक चुनकर आए थे. इसके बाद 2013 के विधानसभा चुनाव में फिर उन्होंने कनकपुरा से ही चुनाव लड़ा और रिकॉर्ड वोटों से जीत दर्ज की. वे 30 हजार वोटों के बड़े अंतर से चुनाव जीते थे. फिर जीत की हैट्रिक लगाते हुए 2018 में भी उन्होंने कांग्रेस को ये सीट उनकी झोली में लाकर दी.

वैसे डीके शिवकुमार की सियासी पारी में कई ऐसे बड़े नाम शामिल हैं, जिन्हें उन्होंने चुनावी मैदान में धूल चटाई है. 1990 के चुनाव में डीके शिवकुमार को कांग्रेस से टिकट नहीं मिला था तो उन्होंने निर्दलीय चुनाव में उतरने का फैसला किया और पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा को हरा दिया. इसके ठीक 10 साल बाद साल 2000 में डीके ने देवगौड़ा के बेटे एचडी कुमारस्वामी को भी हार का मुंह दिखा दिया. इन बड़ी जीतों ने बता दिया था कि कर्नाटक में एक कद्दावर नेता खड़ा हो चुका है, जो महत्वकांक्षी भी है और हर मुश्किल स्थिति से निपटना भी बखूबी जानता है. उनके सियासी अनुभव का पहला बड़ा प्रमाण साल 2004 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी देखने को मिल गया था. उस चुनाव में डीके ने कनकपुरा लोकसभा सीट से अनुभवहीन तेजस्विनी को टिकट दिलवा दिया, देवगौड़ा से सीधा मुकाबला था. नतीजा हैरान करने वाला रहा, अनुभवहीन तेजस्विनी ने देवगौड़ा को मात दे दी और चुनाव में जीत दर्ज हुई.

कांग्रेस के वफादार, 2018 में निभाई अहम भूमिका

अब डीके शिवकुमार को लेकर एक बात और कही

जाती है, वे कांग्रेस के एक वफादार सिपाही हैं, उनकी निजी तल्खी किसी के साथ भी रह सकती है, लेकिन सियासत को समझते हुए उन्होंने कई बड़े कदम उठाए हैं. ऐसा ही एक कदम साल 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद भी देखने को मिला था. साल 2018 में कर्नाटक में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था, तब कांग्रेस ने जेडीएस से हाथ मिलाया और राज्य में कांग्रेस की सरकार बन गई. बताया जाता है कि तब डीके ने ही इस डील को भी पूरा करने में एक सक्रिय भूमिका निभाई थी. ये अलग बात है कि एक बार फिर कांग्रेस चुनावी मैदान में अकेले उतर रही है और जेडीएस से हाथ मिलाने से उसने साफ मना कर दिया है.

अमित शाह से ली थी सीधी टक्कर

वैसे डीके शिवकुमार ने इससे पहले भी अपनी सियासी सूझबूझ का प्रमाण दिया था. जब 2017 में गुजरात राज्यसभा के चुनाव होने जा रहे थे, तब डीके को अंदेशा था कि पार्टी के कुछ नेता बीजेपी में जा सकते हैं. ये भी संभव था कि बीजेपी अपनी तरफ से उन नेताओं को अपनी पार्टी में लाने की कोशिश करती. ऐसे में उस समय डीके ने कांग्रेस हाईकमान से अपील की थी कि कांग्रेस नेताओं को कुछ समय के लिए गुजरात से बेंगलुरु उनके रिजॉट में भेज दिया जाए. अब अपनी सियासी समझ की वजह से तो डीके कांग्रेस के लिए हमेशा काम आए, लेकिन उन पर समय–समय पर भ्रष्टाचार के भी गंभीर आरोप लगे. मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी से जुड़े एक मामले में तो 3 सितंबर, 2019 को ईडी ने उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया था.

डीके शिवकुमार के निजी जीवन की बात करें तो उनका जन्म 15 मई 1962 को कर्नाटक के मैसूर में हुआ था. उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन तक शिक्षा ले रखी है और सामाजिक कार्यों में उनकी रुचि शुरुआत से ही देखने को मिली. साल 1993 में उनकी उषा शिवकुमार से शादी हुई थी. उस शादी से डीके को दो बेटियां और एक बेटा है.

पुलिसिया बल प्रयोग करके पीड़ित पहलवानों के आवाज को बंद कराने का घिनौना काम कर रही भाजपा:कमालुद्दीन रजा

पटना । कांग्रेस दर्पण

भारतीय पहलवानों के ऊपर दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्ण कार्यवाही शर्मनाक ! पुलिसिया बल प्रयोग करके पीड़ित पहलवानों के आवाज को बंद कराने का घिनौना काम कर रही भाजपा कमालुद्दीन रजा

आज भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी बिहार प्रभारी राजेश सन्नी बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के निर्देशानुसार सीतामढ़ी जिला महासचिव युवा कांग्रेस श्री कमालुद्दीन रजा के नेतृत्व में आज बोखरा प्रखंड में कैंडल मार्च निकाला गया ,पुलिस द्वारा भारतीय पहलवान के ऊपर

आजाद भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिला है कि वे भारतीय पहलवान जिन्होंने भारत मां का मान पूरे विश्व में बढ़ाकर हम सब का सर गर्व से ऊंचा किया, उन्हें आज दिल्ली पुलिस सड़कों पर पीट कर भारत का नाम बदनाम कर रही है।* भाजपा सरकार जहां एक तरफ नारी सम्मान और बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का खोखला दावा और दिखावा करती है, आज आखिर वही मोदी जी और भाजपा सरकार के मुंह पर ताला क्यों लगा है एक शब्द बोलने और इंसाफ के बजाए उल्टा पहलवानों पर पुलिस का खौफ दिखाकर आवाज को बंद करवा रही ,जिससे भाजपा सरकार का काला चेहरा बेनकाब हो चुका है। श्री कमालुद्दीन रजा ने आगे कहा नरेंद्र मोदी देश की शान महिला पहलवानों को जल्द इंसाफ दे और बिर्जभूषण को पर उचित करवाई करे नही

तो युवा कांग्रेस पूरे देश में उस समय तक सड़क से संसद तक आंदोलन करेगी जबतक पहलवान महिला को इंसाफ नही मिल जाता, एक तरफ आज पूरे देश में महंगाई ,बेरोजगारी से आम आदमी में हाहाकार मचा है , देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई, शर्म की बात देश भूखमरी में जहां कांग्रेस के समय 54 वां स्थान था आज 103 स्थान पर है ,युवा सड़क पर बेरोजगार घूम रहा, यहां तक आत्महत्या करने पर मजबूर है , मगर इसकी चिंता मित्रकाल वाली सरकार को बिलकुल नही। वही कांग्रेस नेता श्री शकील अहमद ने कहा देश की बेटी के साथ भाजपा शासनकाल में आए दिन शोषण किया जा रहा मगर बेटी को कहीं इंसाफ नही मिल रहा, आज देश में महंगाई बेरोजगारी आसमान छू रही, भाजपा देश में नफरत फैलाकर देश के भाईचारे को खत्म कर रही , भाजपा को सिर्फ कुछ उद्योगपति मित्र की केवल चिंता है, कैंडल मार्च में अख्यार अहमद , असलम आजाद , सरफराज अहमद, गुलाम रसूल , कैफ , चांद बाबू , लाडले, जुबैर , मोहम्मद कासिद, राहुल राम, रौशन कुमार , मोफास्सिर रजा कैफ़ी, सरवर,शहीद रजा, अशरफ ,महबूब समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस प्रेमी मौजूद थे।

Creation 7463096991

अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल
प्रमंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर
कांग्रेस सेवा दल से जुड़ने के लिए मिस्ड कॉल करें-
8252667278
स्थान :- हुलासगंज, जहानाबाद

क्रम सं.	तारीख	प्रमंडल
1	03 से 05 जून	पटना प्रमंडल जिला- पटना,भोजपुर,कैमूर,बक्सर,रोहतास,नालंदा
2	06 से 08 जून	मगध प्रमंडल जिला- गया,अरवल,नवादा,औरंगाबाद,जहानाबाद
3	09 से 11 जून	तिरहुत प्रमंडल जिला- मुजफ्फरपुर,पूर्वी चंपारण,पश्चिमी चंपारण,शिवहर,सीतामढ़ी,वैशाली
4	12 से 14 जून	दरभंगा प्रमंडल जिला- दरभंगा,मधुबनी,समस्तीपुर
5	15 से 17 जून	कोसी प्रमंडल जिला- सुपौल,मधेपुरा,सहरसा
6	18 से 20 जून	सारण प्रमंडल जिला- सारण,सीवान,गोपालगंज
7	21 से 23 जून	पूर्णिया प्रमंडल जिला- पूर्णिया,अररिया,किशनगंज,कटिहार
8	24 से 26 जून	मुंगेर प्रमंडल जिला- मुंगेर,जमुई,शेखपुरा,खगड़िया,लखीसराय ,बेगूसराय
9	27 से 29 जून	भागलपुर प्रमंडल जिला- भागलपुर,बांका

निवेदक -
डॉ. संजय कुमार
का. मुख्य संगठक
बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना - 10

देश की बहन– बेटियों महिला पहलवानों का अपमान, नही सहेगा हिंदुस्तान।

आज दिल्ली में युवा कांग्रेस मुख्यालय ?? के बाहर पहलवानों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से भारतीय युवा कांग्रेस का कैंडल मार्च...

महान स्वतंत्रता सेनानी राजेंद्र बाबू का आदम कद प्रतिमा वजीरगंज प्रखंड कार्यालय एवम् राम अनुग्रह उच्च विद्यालय परिसर में स्थापित हो:कांग्रेस

पटना।कांग्रेस दर्पण

महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, जन जन में लोकप्रिय राजेंद्र प्रसाद सिंह के निधन से संपूर्ण मगध वासी मर्माहत एवम शोकाकुल है।

आज बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिठू, स्वतंत्रता सेनानी उताधिकारी संगठन के राज्य प्रतिनिधि डा अमर सिंह सिरमौर, प्रखंड कांग्रेस उपाध्यक्ष तपेश्वर पूरी, मो आफताब आलम खान आदि स्व राजेंद्र प्रसाद सिंह जी के मीरगंज, वजीरगंज स्थित आवास पर जाकर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा परिजनों से मुलाकात किया।

इस अवसर पर उपस्थित नेताओ ने कहा की राजेंद्र बाबू 15 वर्ष के उम्र से ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने 11 महीना गया केंद्रीय कारा में सजा भी काटे थे। राजेंद्र प्रसाद सिंह जी वजीरगंज इलाके में शिक्षा के अलख जगाने हेतु मीरगंज में राम अनुग्रह उच्च विद्यालय की स्थापना के साथ, साथ वहां के शिक्षक के रूप काफी लोकप्रिय थे।

नेताओ ने राज्य सरकार एवम् स्थानीय प्रशासन से वजीरगंज प्रखंड कार्यालय एवम् राम अनुग्रह उच्च विद्यालय के प्रांगण में राजेंद्र प्रसाद सिंह का आदम कद प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी किया।

नेताओ ने कहा की उनके परिजनों ने नीतीश सरकार की तारीफ करते हुए कहे की उन्हे राज्य सरकार द्वारा मरणोपरांत राजकीय सम्मान देकर सम्मानित करने से हम सभी परिवार गौरवान्वित महसूस किया।

नेताओ ने कहा की राजेंद्र बाबू का सपना , वजीरगंज प्रखंड के जन,जन में शिक्षा का अलख जगाने हेतु उनके परिजन हमेशा तत्पर रहेंगे।

भवदीय
विजय कुमार मिठू

बौध पूर्णिमा , जिसे वेसाक या बुद्ध पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है , एक बौद्ध त्योहार है जो गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान और मृत्यु का जश्न मनाता है । यह वैशाख (आमतौर पर मई में) के महीने में पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है ' यह त्योहार दुनिया भर के बौद्धो द्वारा मनाया जाता है , और यह महत्वपूर्ण बौद्ध आबादी वाले कई देशो में सार्वजनिक अवकाश है । दिन को विभिन्न अनुष्ठानो के साथ चिह्नित किया जाता है, जिसमें बुद्ध को प्रार्थना, ध्यान और प्रसाद शामिल है । कई मंदिरो और मंदिरो में इस दिन विशेष समारोह और जुलूस आयोजित किए जाते हैं। बौद्ध पूर्णिमा का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह बुद्ध के जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाओं का प्रतीक है: उनका जन्म, उनका ज्ञानोदय और उनकी मृत्यु । यह बुद्ध की शिक्षाओं पर चिंतन करने और करुणा और ज्ञान के मार्ग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने का दिन है । हम सभी भगवान बुद्ध के पवित्र उपदेशों से ज्ञान अर्जीत करे और प्रेम, दया, करुणा, सदभाव, के मार्ग पर चले । बुद्ध पूर्णिमा की ढेर सारी बधाई व अनन्त शुभकामनाएं

-अजित कुमार सिन्हा कांग्रेसी नेता,मीनापुर मुजफ्फरपुर बिहार

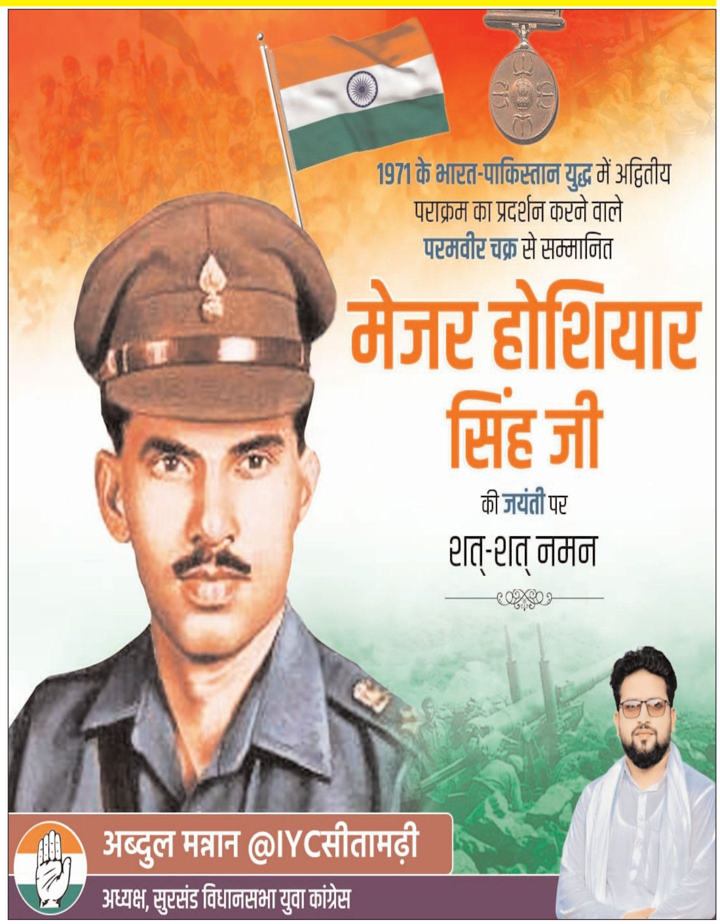

1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में अद्वितीय पराक्रम का प्रदर्शन करने वाले परमवीर चक्रसे सम्मानित मेजर होशियार सिंह जी की जयंती पर शत–शत् नमन। युद्ध में घायल और खून से लथपथ होने के बावजूद वह अपने सैनिकों का हौसला बढ़ाते रहे। उनकी वीरता को नमन है। #HoshiarSingh

एक कोशिश परिवर्तन की ओर

पटना। कांग्रेस दर्पण

(हर्ष देशमुख के फेसबुक वॉल से)

प्रयास करना हमारा काम है,,,,,,

जैसे ही ट्रेन रवाना होने को हुई, (समय निकाल कर पढ़े??)

एक औरत और उसका पति एक ट्रंक लिए डिब्बे में घुस पड़े।

दरवाजे के पास ही औरत तो बैठ गई पर आदमी चिंतातुर खड़ा था।

जानता था कि उसके पास जनरल टिकट है और ये रिज़र्वेशन डिब्बा है।

टीसी को टिकट दिखाते उसने हाथ जोड़ दिए।

ये जनरल टिकट है।अगले स्टेशन पर जनरल डिब्बे में चले जाना।वरना आठ सौ की रसीद बनेगी।₹

कह टीसी आगे चला गया।

पति-पत्नी दोनों बेटी को पहला बेटा होने पर उसे देखने जा रहे थे।

सेठ ने बड़ी मुश्किल से दो दिन की छुट्टी और सात सौ रुपये एडवांस दिए थे।

बीबी व लोहे की पेटी के साथ जनरल बोगी में बहुत कोशिश की पर घुस नहीं पाए थे।

लाचार हो स्लिपर क्लास में आ गए थे।

साब, बीबी और सामान के साथ जनरल डिब्बे में चढ़ नहीं सकते।हम यहीं कोने में खड़े रहेंगे।बड़ी मेहरबानी होगी।₹

टीसी की ओर सौ का नोट बढ़ाते हुए कहा।

₹ सौ में कुछ नहीं होता।आठ सौ निकालो वरना उतर जाओ।₹

आठ सौ तो गुड्डो की डिलिवरी में भी नहीं लगे साब।नाती को देखने जा रहे हैं।गरीब लोग हैं, जाने दो न साब।₹ अबकि बार पत्नी ने कहा।

तो फिर ऐसा करो, चार सौ निकालो।एक की रसीद बना देता हूँ, दोनों बैठे रहो।₹

ये लो साब, रसीद रहने दो।दो सौ रुपये बढ़ाते हुए आदमी बोला।

नहीं-नहीं रसीद दो बनानी ही पड़ेगी। ऊपर से आर्डर है।रसीद तो बनेगी ही।

चलो, जल्दी चार सौ निकालो।वरना स्टेशन आ रहा है, उतरकर जनरल बोगी में चले जाओ।₹

इस बार कुछ डांटते हुए टीसी बोला।

आदमी ने चार सौ रुपए ऐसे दिए मानो अपना कलेजा निकालकर दे रहा हो।

दोनों पति-पत्नी उदास रुआंसे

ऐसे बैठे थे ,मानो नाती के पैदा होने पर नहीं उसके शोक में जा रहे हो।

कैसे एडजस्ट करेंगे ये चार सौ रुपए?

क्या वापसी की टिकट के लिए समधी से पैसे मांगना होगा?

नहीं-नहीं।

आखिर में पति बोला- ₹ सौ- डेढ़ सौ तो मैं ज्यादा लाया ही था। गुड्डो के घर पैदल ही चलेंगे। शाम को खाना नहीं खायेंगे। दो सौ तो एडजस्ट हो गए। और हाँ, आते वक्त पैसिंजर से आयेंगे। सौ रूपए बचेंगे। एक दिन जरूर ज्यादा लगेगा। सेठ भी चिल्लायेगा। मगर मुन्ने के लिए सब सह लूंगा।मगर फिर भी ये तो तीन सौ ही हुए।₹

ऐसा करते हैं, नाना-नानी की तरफ से जो हम सौ-सौ देनेवाले थे न, अब दोनों मिलकर सौ देंगे। हम अलग थोड़े ही हैं। हो गए न चार सौ एडजस्ट।₹

पत्नी के कहा।

मगर मुन्ने के कम करना....₹₹

और पति की आँख छलक पड़ी।

मन क्यूँ भारी करते हो जी। गुड्डो जब मुन्ना को लेकर घर आयेंगी; तब दो सौ ज्यादा दे देंगे। ₹

कहते हुए उसकी आँख भी छलक उठी।

फिर आँख पोंछते हुए बोली-

अगर मुझे कहीं मोदीजी मिले तो कहूंगी-₹

इतने पैसों की बुलेट ट्रेन चलाने के बजाय, इतने पैसों से हर ट्रेन में चार-चार जनरल बोगी लगा दो, जिससे न तो हम जैसों को टिकट होते हुए भी जलील होना पड़े और ना ही हमारे मुन्ने के सौ रुपये कम हो।₹

उसकी आँख फिर छलक पड़ी।

अरी पगली, हम गरीब आदमी हैं, हमें वोट देने का तो अधिकार है, पर सलाह देने का नहीं। रो मत।

(विनम्र प्रार्थना है जो भी इस कहानी को पढ़ चूका है उसे इस घटना से शायद ही इत्तिफ़ाक़ हो पर अगर ये कहानी शेयर करे ,कॉपी पेस्ट करे ,पर रुकने न दे शायद रेल मंत्रालय जनरल बोगी की भी परिस्थितियों को समझ सके। उसमे सफर करने वाला एक गरीब तबका है जिसका शोषण चिर कालीन से होता आया है।

एक कोशिश परिवर्तनकीओर

.......एक मध्यम परिवार से,,,,,

हम है भारत मां के सुपुत्र इसलिए कि कांग्रेस सेवादल संगठन के एक प्रशिक्षित वरिष्ठ सिपाही है। देश और समाज सेवा की जजवा सीने में संजोए आगे बढ़ते जा रहे है। दूसरे जिनको सिर्फ सत्ता की कुर्सी हासिल करने का मोह है।मन की बात में जुमलेबाजी करने में मन लगता है काम करना तेरह बाईस है। जिन्होने देश की सम्पत्तियां कम्पनियो के मालिको को सौप दिया ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन क़ायम करने पर उतारू है।जिनके पूर्वज अंग्रेजी हूकूमत के चमचे थे, अंग्रेजी हूकूमत के मुखबिरी किया करते थे उनसे जमींदारी लेकर समाज में अमन-चैन सुख शांति सब खत्म कर अपनी दादागिरी उनके ऊपर चलाया करते थे उनके कुपात्र औलाद देशभक्ति समझाते है। भाजपाई देश ही नही सामाजिक समरसता और अमन-चैन के दुश्मन है। इन्हें केन्द्रीय सत्ता से खदेड़कर भगाइए। कांग्रेस लाकर देश के गौरवशाली इतिहास को बचाइए। एक देश भक्त बलिदानी परिवार के होनहार सुपुत्र राहुल गांधी है। इन्हें सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक सुधार करने में मदद करें। राहुल गांधी जिन्दाबाद कांग्रेस पार्टी जिन्दाबाद कांग्रेस सेवादल जिन्दाबाद **(राम विनय तिवारी)**

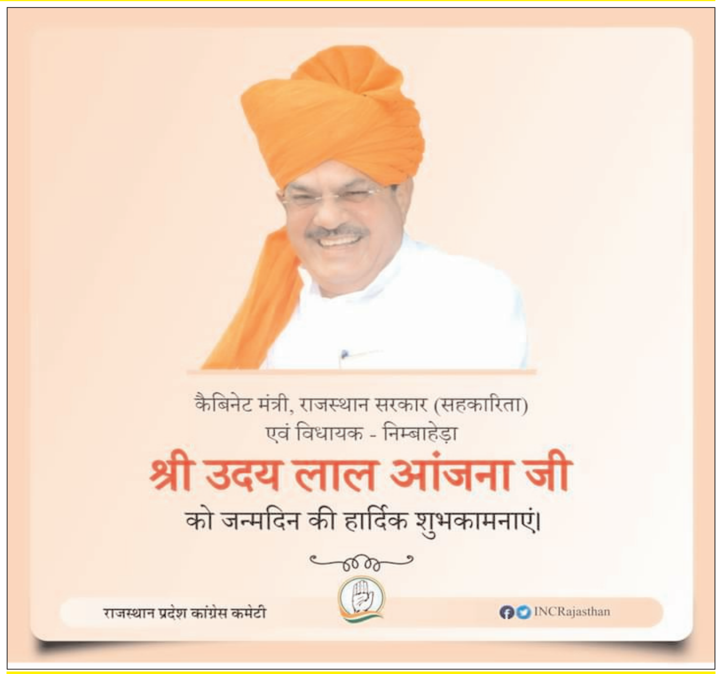

कैबिनेट मंत्री (राजस्थान सरकार) एवं निम्बाह-ेड़ा विधायक श्री उदयलाल आंजना जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपको स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन प्रदान करें।

महंगाई राहत कैंप सेवा ही संकल्प हमारा

पटना। कांग्रेस दर्पण

ग्राम पंचायत लांबिया मैं आयोजित राहत कैंप मैं राष्ट्रीय बाल श्रम आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निंबाड़ा कैंप का जायजा लिया और आमजन को योजनाओं की जानकारी देकर वंचित लाभार्थियों को लाभ दिलाया इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी बाबूलाल दहिया प्रदेश सचिव खादी ग्रामोद्योग प्रकोष्ठ कैंप प्रभारी राजू सिंह जी सोनाईमाझी कैंप सह प्रभारी दिनेश कुमार दहिया सह प्रभारी भरत कुमार बांला देवेंद्र कुमार प्रकाश कुमार विकास अधिकारी पाली पंचायत समिति पाली अतिरिक्त विकास अधिकारी पाली पंचायत समिति पाली सहायक अभियंता पंचायत समिति पाली एवं प्रशासनिक अधिकारी गण पदाधिकारी गण कार्यकर्ता गण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिलने पर निंबाड़ा की कार्य प्रणाली से खुश होकर आमजन ने माला व साफा पहनाकर निंबाड़ा धन्यवाद एवंआभार व्यक्त किया

टीमः शिशुपाल सिंह निंबाड़ा विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर

चौथे स्थापना दिवस पर बेगूसराय नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से चादर एवं कलम से सम्मानित

पटना। कांग्रेस दर्पण

बेगूसराय शहर स्थित जेल के पास अवस्थित झुग्गी झोपड़ी में संचालित बच्चों की पाठशाला के चौथे स्थापना दिवस पर बेगूसराय नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से चादर एवं कलम से सम्मानित करने का कार्य किया गया ' कार्यक्रम की अध्यक्षता बेगूसराय नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व पार्षद ब्रजेश कुमार प्रिंस ने की एवं कार्यक्रम का संचालन बच्चों की पाठशाला के संचालक रोशन कुमार ने किया ' बच्चों की पाठशाला के स्थापना दिवस के मौके पर अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस के डेलीगेट कांग्रेस नेता अभय कुमार सिंह सार्जन. बेगूसराय जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ रजनीश कुमार. जिला कांग्रेस इंटक के नेता चुनचुन राय. बिहार प्रदेश कांग्रेस डेलीगेट रत्नेश कुमार टुल्लू. लीगल सेल कांग्रेस अध्यक्ष सुबोध झा अधिवक्ता. कांग्रेस सोशल मीडिया अध्यक्ष कुशमेश शांडिल्य अधिवक्ता. आलोक कुमार अधिवक्ता. राघव कुमार. अभिषेक कुमार. राजन सिन्हा. सहित अन्य लोग उपस्थित थे' बच्चों की पाठशाला के सम्मानित होने वालों में संचालक रोशन कुमार. रजनीकांत सर. रीता मैडम. मणिकांत कुमार. अशोक झा. अमित कुमार. दामिनी सिन्हा. कुमकुम कुमारी. सोनाली कुमारी. कीमती कुमारी. बादल कुमार. ममता कुमारी. करीना कुमारी. बच्चों की पाठशाला के संचालकों को बेगूसराय नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से चादर एवं कलम अतिथियों के द्वारा सम्मान स्वरूप दिया गया कार्यक्रम के अंत में सोशल मीडिया कांग्रेस द्वारा बच्चों को मिठाई खिलाकर स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं और बधाई दी गई '

पूर्व प्रधानाचार्य राजेन्द्र प्रसाद सिंह जी के निधन से मर्माहत

पटना। कांग्रेस दर्पण

आज दिनांक 05/05/2023 दिन शुक्रवार को गया जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय राजेन्द्र आश्रम के सभागार में ?\देश के 1942 ई, में शामिल हुए भारत छोड़ो आंदोलन के प्रणेता गया जिला के बजीरगंज प्रखंड के मीरगंज निवासी पूर्व प्रधानाचार्य राजेन्द्र प्रसाद सिंह जी के निधन से पूरा जिला के निवासी मर्माहत हुए। उनके निधन की खबर आग की तरह फ़ैल गई। उनके निधन की खबर सुनकर बिहार सरकार ने उनकी अंत्येष्टि को राजकीय सम्मान के साथ समारोह पूर्वक दाह संस्कार किया गया। उनके संस्कार में जिला के वरीय पदाधिकारी गण एवं गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। आज राजेन्द्र आश्रम में एक शोक सभा कर जिलाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में दो मिनट का मौण रखकर खड़े होकर ईश्वर से प्रार्थना किया गया कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शेष बचे परिवार को सहनशक्ति दें।

ईस शोक सभा में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव जी, श्री अवधेश कुमार सिंह जी, डाक्टर शशिशेखर सिंह, बावुलाल प्रसाद सिंह, युगल किशोर सिंह, मोहम्मद खैरूदीन, कमलेश चंद्र वंशी, रामाश्रय प्रसाद सिंह, रणजीत सिंह, बवलू शर्मा, जगदीश प्रसाद यादव, डाक्टर गगन मिश्रा, रामप्रमोद सिंह, शिवकुमार चौरसिया, दामोदर गोस्वामी, ? ओमप्रकाश निराला, ओंकार यादव, बिकास यादव, माधुरी गुप्ता, धर्मेन्द्र निराला, सर्वेंद्र चौधरी, रामसेवक कुशवाहा, प्रदीप शर्मा, लाक्षो देवी, विशाल कुमार, शशिकांत सिंहा आदि शामिल हुए।

केंद्र की भाजपा सरकार जाति आधारित गणना पर रोक लगने से भाजपा सरकार खुशी मना रही है

पटना। कांग्रेस दर्पण

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग चंदन में जाति आधारित गणना पर भाजपा के द्वारा उस उनके षड्यंत्र के द्वारा रोक लगाए जाने पर भाजपा चारों तरफ खुशी मना रही है इससे यह प्रमाणित होता है इनका दोहरा चरित्र है केंद्र की भाजपा सरकार जाति आधारित गणना पर रोक लगने से भाजपा सरकार खुशी बना रही है यह दोहरा चरित्र यह प्रमाणित करता है की बिहार में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा की आबादी 67% है इससे यह साबित हो जाएगा केंद्र सरकार ने तीसरा एवं अति पिछड़ा के लिए क्या किए सिर्फ पूरे देश में प्रधानमंत्री ओबीसी को यानी पिछड़ा वर्ग को अपमानित करने का काम कर रही है बिहार में भाजपा यह जाम रही थी कि जाति आधारित गलना में जिसकी जितनी अवादी उसको उतना हिस्सेदारी जिसके कारण भाजपा सरकार केंद्र में जो बैठी हुई है वह बॉक्स लाकर षड्यंत्र के तहत जो बिहार में जाति आधारित गणना हो रही थी उस पर रोक लगा दिया बिहार के जनता सब जान रही है इस जाति आधारित गणना से गरीब मजदूर वर्ग सभी जाति वर्ग जिसका बहुत संख्यक होते हुए भी उनकी कोई भागीदारी नहीं मिल रही थी पिछड़ा अति पिछड़ों में इस जाति

आधारित गणना को केंद्र के भाजपा सरकार ने अपने दोहरा चरित्र को छुपाने के लिए षड्यंत्र के तहत इस पर रोक लगा दी है इसके लिए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा एवं अति पिछड़ा के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग चंदन ने कहा इसका 2024 में पिछड़ा अति पिछड़ा समुदाय के जितने भी बिहार में है भाजपा को औकात दिखा देंगे

देश की बेटियों का अपमान — नहीं सहेगा हिंदुस्तान

पटना । कांग्रेस दर्पण

भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार करो – युवा कांग्रेस पहलवानों के समर्थन में किया मांग....

कवर्धा :– भारतीय युवा कांग्रेस कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा बीती रात संसद मार्ग के जंतर–मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों पर दिल्ली पुलिस द्वारा किया गया अत्याचार अति–दुःखद है। भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि जिन पहलवानों ने देश का नाम रोशन किया।आज दिल्ली पुलिस उन्हें चौराहे पर पीट रही है इस संदर्भ में कउ अध्यक्ष श्री बीवी श्रीनिवास जी,कैबिनेट मंत्री माननीय मो.अकबर भैया जी,छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस प्रभारी डा पलक वर्मा जी,श्री इकबाल ग्रेहवाल जी,दीदी प्रियंका सरसार जी,युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा जी के निर्देशों के अनुसार पहलवानों के सम्मान में कैंडल मार्च का आयोजन सिग्नल चौक में किया गया।

₹पहलवान हैं देश की शान –– बंद करो उसका अपमान₹युवा कांग्रेस कवर्धा समर्थन में कैंडल मार्च करते हुए न्याय करने केंद्र की मोदी सरकार से किया अपील। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से जिला अध्यक्ष चंद्रभान कोसले,कवर्धा विधानसभा अध्यक्ष वाल्मिकी वर्मा,विधानसभा अध्यक्ष पंडरिया तेजस्वी चंद्रवंशी,जितेंद्र लहरें,आरिफ खान,राम सजीवन आनंद चंद्रवंशी, पदुम सेन,रमा विश्वकर्मा,दसरू निषाद,अजय बंजारे,हेमंत सोनवानी,ओमप्रकाश मंडावी,लीलाराम साहू,शिवकुमार साहू सहित सैकड़ों की संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन से जुड़े लोग थे और संगठन से जुड़े हुए लोग जमीनी स्तर पर काम करते है

कुछ लोगों का कहना है की डॉराशिदफाखरी दिल्ली की राजनीति करने वाले वो मधुबनी लोकसभा से चुनाव लड़ना क्यों चाहते है ये ग्रामीण क्षेत्र है? मैं आपको बताना चाहता हूं की डॉराशिदफाखरी साहब संगठन से जुड़े लोग थे और संगठन से जुड़े हुए लोग जमीनी स्तर पर काम करते है। संगठन के लोग धूप, गर्मी, ठंडी, आंधी, तूफान पुलिस प्रशासन सभी का मुकाबला करते हुए लोगों की समस्या और अधिकार दिलाने की मांग करते है। जबकि डॉराशिदफाखरी साहब बिहार टरवकके पूर्व अध्यक्ष, ऑल इंडिया एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय सचिव, दिल्ली विश्विद्यालय के एक्जीक्यूटिव काउंसलर, बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के पूर्व महासचिव और बिहार कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता रह चुके है ये एक नेक दिल इंसान है और साथ ही युवा है, युवा की सोंच हमेशा युवाओं के भविष्य हित में होता है।

महंगाई राहत कैंप सेवा ही संकल्प हमारा

सुमेरपुर के ग्राम पंचायत सांडेराव मैं आयोजित महंगाई राहत कैंप मैं केंद्रीय बालश्रम आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निंबाड़ा ने कैंप में आमजन को मुख्यमंत्री जी की योजनाओं के बारे में जानकारी देकर वंचित लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन कराया । इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी, पूर्व सरपंच ठाकुर सबलवीर सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी शंकरलाल गहलोत, सूकाराम दमामी, बंसीलाल गर्ग, एवं प्रशासनिक अधिकारी गण पदाधिकारी गण कार्यकर्ता गण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिलने पर निंबाड़ा की कार्य प्रणाली से खुश होकर आमजन ने माला व साफा पहनाकर निंबाड़ा धन्यवाद एवंआभार व्यक्त किया। **टीमः शिशुपाल सिंह निंबाड़ा विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर (121)**

महंगाई राहत कैंप सेवा ही संकल्प हमारा

पटना । कांग्रेस दर्पण

ग्राम पंचायत लांबिया मैं आयोजित राहत कैंप मैं राष्ट्रीय बाल श्रम आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निंबाड़ा कैंप का जायजा लिया और आमजन को योजनाओं की जानकारी देकर वंचित लाभार्थियों को लाभ दिलाया इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी बाबूलाल दहिया प्रदेश सचिव खादी ग्रामोद्योग प्रकोष्ठ कैंप प्रभारी राजू सिंह जी सोनाईमाझी कैंप सह प्रभारी दिनेश कुमार दहिया सह प्रभारी भरत कुमार बांला देवेंद्र कुमार प्रकाश कुमार विकास अधिकारी पाली पंचायत समिति पाली अतिरिक्त विकास अधिकारी पाली पंचायत समिति पाली सहायक अभियंता पंचायत समिति पाली एवं प्रशासनिक अधिकारी गण पदाधिकारी गण कार्यकर्ता गण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिलने पर निंबाड़ा की कार्य प्रणाली से खुश होकर आमजन ने माला व साफा पहनाकर निंबाड़ा धन्यवाद एवंआभार व्यक्त किया

टीमः शिशुपाल सिंह निंबाड़ा विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर

मोदी को किसकी जरूरत ज्यादा है, माफिया डॉन की या मैडल जीतने वाली खिलाड़ियों की?

पटना । कांग्रेस दर्पण

भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष और महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे हुए बृजभूषण शरण सिंह ने दो दिन पहले मीडिया से बात करते हुए ₹ मेरी हैसियत 50 हजार करोड़ की है और मेरा व अखिलेश यादव का बचपन का साथ है, ₹ इन दो बातों पर काफी जोर दिया था।

उसकी ये दोनों ही बातें राजनीतिक दृष्टि से बड़ी महत्वपूर्ण हैं। और, इनका सीधा सम्बंध भाजपा और सत्ता के भूखे नरेंद्र मोदी से है।

यह सभी जानते हैं कि किसी भी राजनीतिक दल का अस्तित्व नोट व वोट पर टिका होता है। इस मामले में भाजपा के लिए बृजभूषण का कितना महत्व है, यह मोदी एंड कंपनी द्वारा जंतर–मंतर पर 12 दिनों से धरने पर बैठी महिला पहलवानों की उपेक्षा करने से साफ हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवानों की रिपोर्ट दर्ज तो कर ली, लेकिन उनमें से एक नाबालिग लड़की की शिकायत पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज करने के बाद भी आरोपी बृजभूषण को कानून के अनुसार तुरंत गिरफ्तार करने की बजाय चुपचाप बैठ गई है।

तू नहीं तो और सही–

उधर अपनी गिरफ्तारी से डरे हुए उत्तर प्रदेश की राजनीति में दबंग डॉन के रूप में कुख्यात बृजभूषण का प्रेस के सामने अपनी आर्थिक हैसियत का दंभ भरना यह बताता है कि उसके न रहने पर भाजपा को कितना नुक़सान हो सकता है।

उसने उसी सांस में अखिलेश यादव से अपने बचपन का नाता बताकर दूसरा दांव बीजेपी को यह बताने के लिए खेला कि यदि भाजपा नहीं, तो समाजवादी पार्टी उसका अगला ठिकाना है।

भई गत सांप–छछूंदर केरी–

खुद को फ़र – भाजपा और समूचे देश से भी बड़ा दिखाने वाली अपनी छवि बनाने में ही दिन–रात मेहनत करने वाले मोदी यह भली–भांति जानते हैं कि बृजभूषण की पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी अच्छी पकड़ है। ऊपर से उसका क्षत्रिय होना दूसरे राजपूत नेता और दिल्ली की कुर्सी पर आंखें गड़ाए बैठे मुख्यमंत्री अजय सिंह बिष्ट उर्फ आदित्यनाथ को वशीभूत करने के लिए भी उन्हें इस माफिया डॉन की जरूरत है।

इसके अलावा करीब 50 हजार करोड़ के आसामी द्वारा पार्टी को मोटी फंडिंग भी एक जरूरी मुद्दा है।

ऐसे में सवाल सिर्फ एक सांसद सीट का ही नहीं, बल्कि मोटी पार्टी फंडिंग और भावी रणनीति का भी है। जिसे मोदी–शाह हरगिज नहीं खोना चाहते। जबकि दूसरी तरफ कार्रवाई नहीं करने पर पार्टी की जो फजीयत हो रही है, वह भी चिंता का विषय बना हुआ है।

इस तरह बृजभूषण को लेकर भाजपा की स्थिति सांप–छछूंदर जैसी हो गई है।

यौन शोषण को लेकर रोती–बिलखती अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लड़कियों की तरफ से मोदी के आंखें मूंद कर बृजभूषण पर कार्रवाई न करने से आहत लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि राजनैतिक पार्टियां अपना नफा–नुकसान देखकर ही फैसला लेती हैं। उन्हें जनता की भावनाओं या नफे–नुकसान से कोई लेना–देना नहीं होता। यदि ऐसा होता, तो संसद में दागी सांसदों की भरमार न होती। सत्ताधारियों को अच्छी तरह मालूम है कि पिछली बार की तरह हवा का रुख इस बार उनके पक्ष में नहीं है। भाजपा को 2024 में एक–एक सांसद सीट के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा। ऐसे में सीट जिताऊएक–एक सांसद उनके लिए बहुत मायने रखता है। उधर कर्नाटक में हालत बहुत खराब चल रही है। वहां पिछली बार तो हारी हुई बाजी जोड़–तोड़ करके पलट दी थी लेकिन इस बार सीटें उससे भी बहुत कम आने की पूरी आशंका है। जिसका असर आगामी लोकसभा चुनाव पर पड़े बिना नहीं रहेगा। इसी कसमकश में राजनीति का गुणा–भाग लगाया जा रहा है। उधर, धरने पर बैठी महिला पहलवानों के बढ़ते जन–समर्थन से भी देश–विदेश में थू–थू में भी वृद्धि होती जा रही है। इसीलिए डेमेज कंट्रोल के लिए आइओसी अध्यक्ष पीटी. उषा को आज जंतर–मंतर भेजा गया। अब देखना यह है कि मोदी को किसकी जरूरत ज्यादा है, दर्जनों आपराधिक मुक़दमों में आरोपी एक माफिया डॉन की या अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धाओं में मैडल जीतकर राष्ट्रीय गौरव–गरिमा में चार चांद लगाने वाली खिलाड़ियों की।

Hariksing Ravat

गोवा–महाराष्ट्रमध्ये अंतिम लढत

मध्यप्रदेशविरुद्धच्या विजयात महाराष्ट्राच्या रोहितचा शतकी धडाका

गोवा : रोहितच्या आक्रमक शतकाच्या जोरावर महाराष्ट्र संघाने भारतीय अंध क्रिकेट संघटनेच्या मान्यतेने गोवा अंध क्रिकेट संघटना आयोजित पश्चिम विभागीय राष्ट्रीय स्तरावील अंधांच्या क्रिकेट स्पर्धेत मध्यप्रदेशवर एकतर्फी विजय नोंदवला. तसेच, दुसऱ्या सामन्यात यजमान गोवा संघाला नमवत त्यांनी अंतिम फेरीतील आपले स्थान निश्चित केले. अंतिम सामन्यात त्यांच्यासमोर गोवा संघाचे आव्हान असेल. दोन्ही संघांची लय पाहता अंतिम सामना चुरशीचा होण्याची शक्यता आहे.

शनिवारी होणाऱ्या अंतिम सामन्यासाठी गोव्याचे क्रीडा मंत्री गोविंद गावडे यांची प्रमुख उपस्थिती असणार आहे. तसेच, यावेळी स्थानिक आमदारही अंतिम सामन्याचा आनंद घेण्यासाठी उपस्थित असतील, अशी माहिती स्पर्धेच्या आयोजकांनी दिली.

मध्यप्रदेशविरुद्धच्या लढतीत सर्वत्र चर्चा राहिली ती महाराष्ट्राचा फलंदाज रोहितची. मुंबईच्या रोहित शर्माप्रमाणे आक्रमक खेळ करताना त्याने प्रतिस्पर्धी गोलंदाजांच्या नाकी नऊआणले. त्याच्या झंझावाती शतकामुळे महाराष्ट्राने २५९ अशी धावसंख्या उभारली. विशेष म्हणजे मध्यप्रदेशच्या गोलंदाजांना एकही गडी बाद करता आला नाही. यानंतर आव्हानाचा पाठलाग करणाऱ्या मध्यप्रदेशला ७४ धावसंख्येपर्यंतच मजल मारता आली. रोहितच्या खेळीसाठी त्याची सामनावीर म्हणून निवड करण्यात आली. अन्य सामन्यात, महाराष्ट्राने गोव्यावर आठ गडी राखून विजय नोंदवला. दिवसाच्या अन्य सामन्यात, मध्यप्रदेशने राजस्थानवर सहा गडी राखून मात केली.

हार्दिक आभार व धन्यवाद

सीकर जिला यूथ विंग जिलाध्यक्ष के रूप में राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड की नई जिम्मेदारी मिलने पर ब्रिगेड के राष्ट्रीय, प्रांतीय व जिला नेतृत्व का ह्रदय से आभार एवं सभी शुभचिंतकों, सहयोगियों व समर्थकों का धन्यवाद आप सभी का सहयोग, स्नेह व प्रेम हमेशा यूं ही बना रहे।

नियुक्ति की कवरेज आज के समाचार पत्रों में प्रकाशित होने पर सभी समाचार पत्रों का ह्रदय से आभार व पत्रकार श्री प्रभाष जी नारनोलिया, श्री किशन जी शर्मा, श्री संदीप जोशी, श्री राजू जी सैनी व श्री मुकेश जी कुमावत का धन्यवाद।

आप सभी का स्नेह, प्रेम व सहयोग हमेशा बना रहें ।

मनोज कुमार सैनी जिलाध्यक्ष ??
यूथ विंग फुले ब्रिगेड सीकर

04.05.2023 को यमुनानगर मे हाथ से हाथ जोडो कार्यक्रम मे पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री, एआईसीसी महासचिव, छतीशगढ की प्रभारी और हरियाणा की पूर्व अध्यक्ष बहन कुमारी शैलजा जी को सुनने के लिए उमडा भारी जनशैलाब पब्लिक ने तोडे सभी रिकार्ड उडे विरोधियो के होश` यह रैली 2024 का संकेत दे गई के कांग्रेस आ रही है` कांग्रेस का हाथ सबके साथ` इस कार्यक्रम मे कांग्रेस सेवा दल भी पूरे जोश के साथ साथियो सहित पहुंची` कांग्रेस सेवा दल यमुनानगर प्रधान इकबाल खान मुसिंबल`

कर्नाटकमोदी जी, क्या भगवान के नाम वालों को सजा से भी छूट होगी?

पंकज श्रीवास्तव ।कांग्रेस दर्पण

पीएम मोदी ने कर्नाटक में मतदाताओं का धार्मिक रूप से ध्रुवीकरण कराने के लिए पूरी ताकत लगा दी है।

प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू 1952 में आज़ादी के बाद हुए पहले चुनाव में प्रचार करने विंध्यक्षेत्र पहुँचे थे। स्वतंत्रता आंदोलन के नायक नेहरू को देखने–सुनने के लिए अथाह भीड़ उमड़ी थी। नेहरू के बोलने की बारी आने ही वाली थी उनके कान में किसी नेता ने कुछ कहा जिसे सुनकर नेहरू का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। उन्होंने मंच से ऐलान कर दिया कि चुरहट से पार्टी के निशान पर लड़ रहा प्रत्याशी कांग्रेस का नहीं है। दरअसल, नेहरू को पता चल गया था कि कांग्रेस प्रत्याशी और सरकार में मंत्री राव शिवबहादुर सिंह पर 25 हज़ार रुपये रिश्वत का गंभीर आरोप है। नेहरू एक आरोपित को हराने की अपील करने से हिचके नहीं हालाँकि वह उनकी पार्टी का ही था।

70 साल बाद भारत के प्रधानमंत्री पद पर नरेंद्र मोदी हैं और इन दिनों कर्नाटक चुनाव में प्रचार में जुटे हैं। वहाँ उन्होंने अपनी पार्टी की संभावना को कमज़ोर पड़ता देख बजरंग बली और बजरंग दल का फ़र्क़ मिटा दिया। कांग्रेस के घोषणापत्र में पीएफआई और बजरंग दल जैसे संगठनों पर बैन लगाने के वादे से पहले तो उन्होंने पीएफआई को गोल किया और फिर कह दिया कि कांग्रेस बजरंग बली का विरोध कर रही है। बजरंग दल ने तमाम राज्यों में जैसी उत्पाती हरक़तें की हैं या करता है, उसे लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन क्या भगवान के नाम वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को कुछ भी करने की छूट दी जा सकती है। अफ़सोस कि भारत के प्रधानमंत्री पद पर बैठे राजनेता की ओर से ऐसा ही प्रस्ताव किया जा रहा है।पीएम का बयान सुनकर आशंका होती है कि कहीं दिल्ली के जंतर–मंतर पर बैठी महिला पहलवानों के बलात्कार की चीत्कार से वे इसीलिए तो बेअसर नहीं रहे। आख़िर आरोपित बीजेपी सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के ख़िलाफ़ वे कार्रवाई करें भी कैसे जिसका नाम भगवान कृष्ण का पर्याय है? या फिर गुजरात दंगों के दौरान गर्भवती स्त्रियों का पेट चीरने की बात स्टिंग ऑपरेशन में स्वीकार करने वाले बाबू बजरंगी को नरोदा गाम मामले बरी करने के पीछे यही मानसिकता तो काम नहीं कर रही थी। आख़िर उसका नाम भी तो बजरंग बली के नाम पर है। और फिर गौरी लंकेश की हत्या, लेखकों को धमकी, मुस्लिम दुकानदारों के साथ मारपीट करने को लेकर चर्चा में रहे श्रीराम सेने पर भी कोई कार्रवाई कैसे हो सकती है। मोदी जी के सिद्धांत को स्वीकार करें तो इस संगठन के ख़िलाफ़ कुछ भी किया जाना सीधे भगवान श्रीराम पर लांछन लगाना माना जाएगा। यूपी के मशहूर शूटर कहे जाने वाले मुन्ना बजरंगी की हत्या हो चुकी है, वरना आज मोदी जी के बयान से उसे जीवन का नया अर्थ मिल जाता।

प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति के किसी भी बयान को दुनिया भर में गंभीरता से सुना जाता है और देश में तो पूरा सिस्टम ही इससे अर्थ ग्रहण करता है। प्रधानमंत्री जी हर चुनाव में जिस तरह सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे खोजकर उसे हवा देते हैं, उसने पूरे सिस्टम को

प्रदूषित कर दिया है। यह संयोग नहीं कि भारत के अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का मुद्दा वैश्विक स्तर पर उठ रहा है जबकि सत्ता पक्ष द्वारा विश्वगुरु का डंका बजाया जा रहा है। अमेरिका के धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने लगातार चौथे साल मोदी सरकार पर धार्मिक स्वतंत्रता को व्यवस्थित रूप से बाधित करने का आरोप लगाते हुए भारत को विशेष चिंता वाले देशों की सूची में शामिल करने की सिफारिश अमेरिकी विदेशमंत्रालय से की है। प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में 161वें स्थान पर जा गिरा भारत का तथाकथित मुख्यधारा मीडिया इस बात पर चाहे चर्चा से बच रहा हो लेकिन दुनिया बड़े ग़ौर से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में संवैधानिक संस्थाओं और मर्यादाओं को कुचले जाने का तमाशा देख रही है।

भारतीय जनता पार्टी ने पिछले कुछ सालों से भगवा रंग, देवी–देवताओं की तस्वीर या फिर धार्मिक साहित्य को लेकर जिस तरह आक्रमकता दिखानी शुरू की है, उसने कई सवाल खड़े किये हैं। ऐसा लगता है कि हिंदू धर्म और देवी–देवताओं पर आस्था भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद ही हिंदू समाज में पैदा हुई है। जबकि सिर्फ़ नाम और रंग कैसे पवित्रता की गारंटी हो सकते हैं? रामकथा बताती है कि सोने का हिरन बने मारीच को जब राम ने बाण मारा तो उसने राम की आवाज़ बनाकर लक्ष्मण को पुकारा था जिससे विचलित होकर सीता ने लक्ष्मण को भेज दिया था और रावण को उनके हरण का अवसर मिल गया था। वैसे रावण भी भगवाधारी साधु बनकर ही वहाँ पहुँचा था। ₹धार्मिक प्रतीक और भगवान का नाम हमेशा साधु होने की गारंटी नहीं होती, ये शैतानी इरादों का आवरण भी हो सकते हैं।गुजरात दंगों के बाद संसद में हुई बहस के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हमें उदार हिंदुत्व चाहिए जो समन्वयवादी हो। गुजरात में बलात्कार की घटनाओं पर उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा था कि कोई समाज इतना गिर कैसे सकता है! लेकिन मोदी जी उसी पार्टी के प्रधानमंत्री हैं और भूलकर भी कभी समाज में सद्भाव और प्रेम का संदेश देने की कोशिश नहीं करते। उल्टा हर चुनाव में नफ़रत और सांप्रदायिक विद्वेष को राजनीतिक पूँजी में बदलने की कोशिश करते हैं। कर्नाटक चुनाव में बजरंग बली और बजरंग दल को जोड़कर तो उन्होंने अति ही कर दी है।

हो सकता है कि आगे भगवान के नाम वाले किसी बीजेपी प्रत्याशी को वोट न देना वे धर्मविरुद्ध घोषित कर दें। प्रधानमंत्री पद पर बैठे किसी व्यक्ति का इस स्तर पर उतरना दुखद है। या शायद कर्नाटक चुनाव में बीजेपी सरकार के ख़िलाफ़ सत्ता विरोधी लहर इस क़दर प्रबल है कि मोदी जी बेहद हताश हो चुके हैं। वे जानते हैं कि कर्नाटक चुनाव में बीजेपी की हार 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी एकता और रणनीति का नया परिदृश्य रचेगी। इसलिए कर्नाटक की हार महँगी साबित हो सकती है जिसकी भविष्यवाणी ज़्यादातर चुनावी सर्वे कर रहे हैं।

पुनश्चः 1952 की चुनावी सभा में जब नेहरू जी ने कांग्रेस के प्रत्याशी राव शिवबहादुर सिंह को नकारा तो सामने ही उनका बेटा बैठा था जो तब दरबार महाविद्यालय छात्रसंघ का अध्यक्ष था। 1954 में राव शिवबहादुर सिंह को रिश्वत कांड में तीन साल की सज़ा हुई जिसे उस बेटे ने कभी नहीं छिपाया। हमेशा यही जवाब दिया कि पिता का चयन किसी के वश में नहीं होता। उसे 1957 में कांग्रेस ने टिकट देने का प्रस्ताव दिया लेकिन उसने इंकार कर दिया और निर्दलीय जीतकर विधानसभा पहुँचा। नेहरू जी ने 1960 में उसकी लगन और सच्चाई देखते हुए खुद कांग्रेस में शामिल किया। उसका नाम था अर्जुन सिंह जो तीन बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, पाँच बार केंद्र के मंत्री और पंजाब के राज्यपाल रहे और कांग्रेस के एक दिग्गज नेता कहलाये।

(लेखक कांग्रेस से जुड़े हुए हैं)

भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जी की जयंती पर कोटिशः नमन। उनके विचार सदैव प्रासंगिक रहेंगे।